तापमान
अधिकतम 42.0 डिग्री
न्यूनतम 21.2 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, मंगलवार, अप्रैल 22, 2025

9 बुटाना फुटबॉल क्लब ने जीती फुटबॉल प्रतियोगिता

10 रोडवेज कर्मचारियों ने भूख हड़ताल स्थगित की

खबर संक्षेप

फसल अवशेष जलाने से रोकने को कमेटी गठित

सोनीपत। रबी सीजन 2024-25 के लिए फसल अवशेष को जलाने से रोकने के लिए जिला स्तर, उपमंड़ल स्तर, खंड़ स्तर एवं गॉव के स्तर पर कमेटियों का गठन किया गया है। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि जिला स्तर पर कमेटी के सदस्य सीईओ जिला परिषद, डीआरओ, डीडीपीओ, उप निदेशक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग एवं क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड रहेंगे। उपमंडल स्तर पर कमेटी के सदस्य एसडीएम, तहसीलदार, एसडीओ, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी उपमंडल स्तर पर रहेंगे। खंड़ स्तर पर बीडीपीओ, नायब तहसीलदार, ब्लॉक कृषि अधिकारी, एवं गॉव स्तर पर सरपंच, एडीओ, बीटीएम, एटीएम, सुपरवाइजर, पटवारी एवं ग्राम सचिव रहेंगे।

कहासुनी में महिला से मारपीट का आरोप

गोहाना। गांव आहुलाना में खेत के रास्ते के विवाद में कहासुनी होने पर महिला से मारपीट की। उसने नागरिक अस्पताल पहुंचकर उपचार कराया। बरोदा थाना में केस दर्ज किया गया। कुसुमलता ने पुलिस को बताया कि रविवार शाम को उसकी खेत के रास्ते के विवाद को लेकर गांव की संतोष व किरण से कहासुनी हो गई। उस समय वह वहां से चली गई। बाद में खेत से घर आ रही थी तो रास्ते में संतोष व किरण ने उसे रोककर मारपीट की। उसे जान से मारने की धमकी दी। पड़ोस के लोगों ने बीच बचाव करवाकर उसे छुड़वाया।

खेल विश्वविद्यालय राई का स्थापना दिवस 22 को

राई। खेल विश्वविद्यालय राई में 22 अप्रैल को स्थापना दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। समारोह में बतौर मुख्यातिथि हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम व विशष्ठि अतिथि राई हलका विधायक कृष्णा गहलावत शिरकत करेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति अशोक ने जानकारी देते हुए बताया कि स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दिनभर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। एथलेटिक प्रतियोगिताओं से शुरुआत होगी उसके बाद हवन एवं प्रसाद वितरण होगा, शाम को स्टाफ एवं विद्यार्थियों के बीच मनोरंजक बॉलीवुडल मैच खेला जाएगा। रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण खेल मंत्री व विधायक करेगी।

किसान के साथ मारपीट करके धमकी दी

गन्नौर। अगवानपुर गांव में खेत मे जा रहे किसान के ऊपर कुछ व्यक्तियों ने मिलकर हमला कर घायल कर दिया। आरोपी जाते हुए उसे जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घायल ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है। शिकायत में अगवानपुर निवासी विजय ने बताया कि वह अपने घर से खेत मे जा रहा था। इस दौरान रास्ते मे दीपक, अजय व बाला ने उसका रास्ता रोक लिया और उसके ऊपर डंडे व दा से हमला कर घायल कर दिया। जाते हुए आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। गन्नौर थाना पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मकान का ताला तोड़कर बाइक चुराई

गन्नौर। शिवाजी नगर स्थित बंद मकान का ताला तोड़ कर चोर मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है। शिकायत में शिवाजी नगर निवासी सुशील ने बताया कि वह 18 अप्रैल को घर का ताला लगाकर परिवार के साथ रोहतक अपने भाई की शादी में गया था। 20 अप्रैल की सुबह पड़ोसियों ने सूचना दी कि घर का ताला टूटा हुआ है। जब वह घर पहुँचा तो घर से मोटरसाइकिल गायब थी। चोर की मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

परीक्षा के लिए शिक्षा निदेशालय ने जारी किए दिशा-निर्देश, तैयारी तेज

सुपर-100 : तीन चरणों में होगी लेवल-2 की परीक्षा, 89 परीक्षार्थी सोनीपत से

- कुरुक्षेत्र में 28 अप्रैल से 7 मई तक कार्यशाला में लेंगे हिस्सा, शेड्यूल जारी
- लेवल-2 की परीक्षा में चयनित हर किसी के लिये तीन दिवसीय रहेगी कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये तैयार करने वाली शिक्षा विभाग की महत्वकांक्षी योजना सुपर-100 के लेवल 2 की परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। लेवल-2 की परीक्षा 28 अप्रैल से 7 मई तक तीन बैच में आयोजित होगी। परीक्षा से पहले चयनित विद्यार्थियों को तीन दिवसीय कार्यशाला में हिस्सा लेना होगा। इस कार्यशाला के जरिये ही बच्चों को परीक्षा के पैटर्न के बारे में बताया जाएगा। कुरुक्षेत्र में होने वाली इन कार्यशालाओं और परीक्षाओं के लेकर शेड्यूल जारी किया है। इन परीक्षाओं में जिले के वो 89 विद्यार्थी भी हिस्सा लेंगे, जोकि लेवल 1 की परीक्षा में उतीर्ण हुए थे। जिसमें सबसे अधिक विद्यार्थी गन्नौर खंड के हैं। निदेशालय की ओर से प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। जिसमें उन्हें अपने-अपने जिले के सभी संबंधित स्कूल प्राचार्यों को हरियाणा सुपर-100 लेवल-2 परीक्षा बैच 2025-27 के बारे में सूचित करने के लिये कहा गया है। यह परीक्षा 28 अप्रैल से 7 मई तक कुरुक्षेत्र के ढांड रोड पर गांव बारना के सुपर-100 परिसर में निर्धारित है। परीक्षा के तहत तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा जो तीन बैच में आयोजित होगी। इन अलग अलग बैच में सोनीपत जिले से अलग अलग विद्यार्थी शामिल होंगे। कुल 89 विद्यार्थियों में से 13 पहले, 43 दूसरे तो 33 तीसरे बैच का हिस्सा रहेंगें। परीक्षा का एडमिट कार्ड डाउनलोड के लिए लिंक जारी कर दिया गया है। तीन दिवसीय इस कार्यशाला के आधार पर अंतिम चयन किया जाएगा जिसके बाद प्रदेशभर से 400 मेधावी छात्रों को इस कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

सबसे ज्यादा गन्नौर के छात्र उत्तीर्ण

बैच	अनुसूची	विद्यार्थी
बैच-1	28 से 30 अप्रैल	13
बैच-2	1 से 03 मई	43
बैच-3	5 से 07 मई	33

ये पास हुए थे

बता दें कि गत 5 फरवरी को सुपर 100 की लेवल 1 की परीक्षा का आयोजन किया गया था। परीक्षा के लिये 2231 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था। जिसमें से 1769 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। इनमें से केवल 89 विद्यार्थियों ने ही लेवल 1 की परीक्षा को पास किया था। इसमें भी सबसे अधिक संख्या गन्नौर खंड की थी, जोकि 18 थी। वहीं गोहाना खंड से 17, कथूरा खंड से 6, खरखौदा खंड से 9, मुंडलाना खंड से 13, राई खंड से 13, सोनीपत खंड से 13 विद्यार्थी शामिल थे।

इलेक्ट्रोनिक उपकरण वर्जित

छात्रों के लिए सुपर-100 कैंपस में मोबाइल फोन या डिजिटल घड़ी, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ आदि कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सख्त वर्जित है। यदि ये किसी छात्र के पास पाए गए तो इन वस्तुओं को जब्त कर लिया जाएगा और छात्र को अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। वहीं, विद्यार्थी के किसी भी अस्वीकार्य व्यवहार में संलिप्त पाए जाने पर विद्यार्थी को तुरंत सुपर-100 कार्यक्रम से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा और उसे परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सभी को सूचित किया

कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाली कार्यशाला को लेकर विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने शेड्यूल जारी करने के साथ-साथ जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कार्यशाला में जिले के सुपर-100 लेवल-1 में उत्तीर्ण 89 विद्यार्थी शामिल होंगे। इस संबंध में संबंधित स्कूल प्राचार्यों को सूचित कर दिया गया है।

- नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत।

इन बातों का ध्यान रखें

- सुपर-100 लेवल-2 के लिए छात्रों को कुरुक्षेत्र के बारना गांव के सुपर-100 कैंपस में सुबह 9 बजे रिपोर्ट करना होगा
- छात्रों के लिए पंजीकरण सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक खुला रहेगा। दोपहर 12 बजे के बाद पंजीकरण की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- छात्रों को पंजीकरण के दिन कक्षाओं और परीक्षाओं की सूची तथा पहचान-पत्र उपलब्ध कराया जाएगा।
- विद्यार्थियों को स्कूल छोड़ने और ले जाने की जिम्मेदारी अभिभावकों की है। अभिभावकों को परिसर में रहने की अनुमति नहीं होगी।
- छात्र के परिसर में रहने के दौरान माता-पिता अपने बच्चे से शाम 6:00 से 6:30 बजे के बीच मिल सकते हैं।
- परिसर में आवास, भोजन आदि छात्रों के लिए पूरी तरह नि:शुल्क है।
- छात्रों को अपने साथ आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, पासपोर्ट आकार के दो फोटो, कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा का प्रवेश-पत्र, सुपर-100 लेवल-2 एडमिट कार्ड सहित छात्रावास में रहने के लिए आवश्यक वस्तुएं लानी होगी।

पुलिस बेड़े में हाईटेक फोरेंसिक वैन शामिल हुई, अब अपराधियों का बचना होगा मुश्किल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

अपराधी किसी भी अपराध को अंजाम देने के बाद बच नहीं पाएंगे। अब किसी भी आपराधिक घटनाओं से संबंधित साक्ष्यों का परीक्षण करना काफी आसान हो जाएगा। जिला पुलिस को फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी मधुबन करनाल से एक फॉरेंसिक इंवेस्टिगेशन वैन मिली है। उक्त वैन अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं, जिससे आपराधिक घटनास्थल पर ही साक्ष्यों का परीक्षण कर प्राथमिक रिपोर्ट दी जाएगी।

अभी प्रदेश के चार जिले फरीदाबाद, गुरुग्राम, पंचकूला और सोनीपत को यह वैन दी गई है। पुलिस प्रवक्ता रविन्द्र सिंह ने बताया कि इस फॉरेंसिक लैब वाहन में ड्रग डिडक्शन किट, एक्सक्लूसिव किट, फिंगर प्रिंट किट, फुट प्रिंट किट, डीएनए किट, फ्रिज, जनरेटर, वीडियो कैमरा और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस फॉरेंसिक लैब वाहन के जरिए किसी भी आपराधिक घटना का मौके पर ही प्राथमिक परीक्षण किया जा सकेगा। उन्होंने आगे बताया कि वैन आधुनिक तकनीक से लैस है। विधि विज्ञान प्रयोगशाला में जो बेसिक चीज होती हैं, उसकी सुविधा इस वैन में दी गई है। अपराधी घटना में जो साक्ष्य (जैसे ब्लड) मिलते हैं, उसका मौके पर ही सैंपल एकत्र कर प्राथमिक रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

सोनीपत। विभाग से भेजी गई वैन।

सैंपल सुरक्षित रहेगा

वैन में फ्रिज की व्यवस्था भी

देरी होने के बाद सैंपल खराब हो जाता है, क्योंकि इन सैंपल को प्रिजर्व करने की सुविधा पुलिस के पास नहीं है लेकिन इस फॉरेंसिक इंवेस्टिगेशन वैन में सैंपल को सुरक्षित रखने के लिए फ्रिज की भी व्यवस्था की गई है। वैन में नारकोटिक्स जांच की व्यवस्था, विस्फोटक पदार्थ संबंधित जांच की व्यवस्था, फायर शॉट के दौरान निकलने वाले केमिकल के जांच की व्यवस्था, सीमेन, ब्लड, ह्यूमन सलाइवा के जांच की सुविधा भी उपलब्ध है। इसके अलावा डिफरेंट वेवलेंथ लाइट सोर्स की भी सुविधा वैन में दी गई है। ऐसे में किसी भी पदार्थ की जांच मौके पर ही की जा सकेगी।

नशा मुक्ति केंद्र में डॉक्टर मिला न सुरक्षाकर्मी, एंबुलैंस भी नहीं थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

- एसडीएम ने किया निरीक्षण संचालकों को फटकार

खरखौदा के नशा मुक्ति केंद्रों की स्थिति जांचने के लिए एसडीएम डॉ. निर्मल नागर ने औचक निरीक्षण किया। जिसमें कई खामियां सामने आईं। निरीक्षण के दौरान फिरोजपुर बांगर और झिंझोली गांवों में नशा मुक्ति केंद्र बंद मिले, जबकि निजामपुर स्थित केंद्र में गंभीर लापरवाही पाई गई। एसडीएम डॉ. नागर के साथ तहसीलदार मनोज कुमार व एसएमओ डॉ. गौरव भी मौजूद रहे। जांच के दौरान पाया गया कि निजामपुर के केंद्र में न तो कोई डॉक्टर मौजूद था, न ही सुरक्षाकर्मी और न ही आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था थी। केंद्र में मरीजों की देखरेख और इलाज की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं दिखाई दी। खराब व्यवस्थाओं को लेकर एसडीएम ने संचालकों को जमकर फटकार लगाई और स्पष्ट निर्देश दिए कि केंद्रों की व्यवस्था को तुरंत प्रभाव से सुधारा जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोबारा निरीक्षण में खामियां पाई गईं तो संबंधितों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। खास बात यह भी रही कि खरखौदा शहर में स्थित नशा मुक्ति केंद्र में फिलहाल कोई मरीज ही मौजूद नहीं मिला। एसडीएम ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए हैं कि इन केंद्रों की नियमित निगरानी की जाए।

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र ने सुनाया फैसला

दुष्कर्म के दोषी को 20 साल कैद की सजा, 55 हजार रुपये जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र ने किशोरी को बहकाकर ले जाने के बाद उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपित को दोषी करार दिया है। अदालत ने दोषी को 20 साल कैद व 55 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना राशि में से 40 हजार रुपये पीड़िता को देने के आदेश दिए गए हैं। जुर्माना न देने पर नौ माह अतिरिक्त कैद की सजा भुगतनी होगी। सोनीपत निवासी व्यक्ति ने 29 नवंबर, 2023 को शहर थाना पुलिस को बताया था कि उनकी 15 वर्षीय बेटी संदिग्ध अवस्था में लापता हो गई है। उन्हें शक है कि किसी ने बेटी को बंधक बनाकर रख लिया है। मामले में पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले की जांच करते हुए तत्कालीन एसआई उषा ने किशोरी को बरामद कर लिया था। किशोरी के बयान दर्ज करने के बाद मामले में बहकाकर ले जाने व दुष्कर्म किए जाने की धारा जोड़ी गई थी। मामले में झज्जर के बहादुरगढ़ क्षेत्र निवासी सागर को नामजद किया गया। मामले में पुलिस ने 4 दिसंबर, 2023 को आरोपित सागर को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने मेडिकल परीक्षण के बाद आरोपी को अदालत में पेश कर दिया था।

संदिग्ध परिस्थितियों में मजदूर लापता

खरखौदा। आईएमटी क्षेत्र से एक मजदूर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। साइट इंचार्ज दीपक चंद्र ने बताया कि उनके पास 20 वर्षीय युवक असीदुल कार्य करता है। जो वेस्ट बंगाल का रहने वाला है। खाना खाने के बाद वह नहर की पटरी पर घूमने गया था। इसके बाद वह वापस नहीं आया। जब उसकी तलाश की तो नहर की पटरी पर उसके कपड़े, अंगोछा व चप्पल पाए गए है। वह यहां से कहां गायब हो गया, इसका पता लगाया जाए।

आहुलाना के पास दिल्ली कैनाल में कपड़े धोते समय युवक का पैर फिसला, डूबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

दिल्ली कैनाल नहर में आहुलाना गांव के पास कपड़े धोने गए युवक का पैर फिसलने से नहर में डूब गया। युवक जब दिखाई नही दिया तो उसके साथ गए उसके दादा ने शोर मचाया और गांव में आकर परिजनों को अवगत कराया। उसके बाद परिजनों ने युवक के डूबने की सूचना खुबडू चौकी पुलिस को दी। सूचना के बाद चौकी प्रभारी विकास डांढा मौके पर पहुंचे और प्राईवेट गोताखोर को बुलाया और तलाश की लेकिन युवक का कही सुराग नही लगा। समाचार लिखे जाने तक नहर में युवक की तलाश जारी थी। पुलिस को दी जानकारी में नहर में डूबे युवक के साथ गए उसके दादा सरजु ने बताया कि उसका पोता 30 वर्षीय राजेश पुत्र रामफल ट्रक व ट्राली से सीमेंट उतारने की मजदूरी करके परिवार का गुजारा करता था। सोमवार को दोपहर वह पश्चिमी यमुना लिंक नहर में कपड़े धोने के लिए जा रहा था। वह भी उसके साथ चला गया। गांव में नहर में बनी सीढियों के पास जब कपड़े धो रहा था तो अचानक उसका पैर फिसल गया और नहर में डूब गया। नहर में डूबने की सूचना परिजनों को दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने युवक की प्राईवेट गोताखोर की मदद से तलाश शुरू कर दी।

डूबने वाला युवक राजेश

गन्नौर। युवक की तलाश करवाते चौकी प्रभारी विकास ढांडा के साथ परिजन।

भोंडसी से एनडीआरएफ गोताखोर की टीम मांगी

खुबडू चौकी प्रभारी विकास डांढा ने बताया कि भोंडसी से एनडीआरएफ गोताखोर की टीम की मांग की है। परिजन अपने स्तर पर राजेश की तलाश में लगे है। इसके अलावा प्राईवेट गोताखोर की मदद ली जा रही है। परिजनों ने आकर बताया कि राजेश कपड़े धो रहा तो पैर फिसलने के कारण नहर में डूब गया है। मंगलवार को एनडीआरएफ की टीम के साथ तलाश की जाएगी और नहर के पानी को कम कराने के लिए भी लिखा जाएगा।

उद्योगपति की कार से 8.90 लाख रुपये चोरी गार्ड पर आरोप

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र में उद्योगपति की कार में रखी लाखों रुपये की राशि चोरी करने के आरोप का मामला सामने आया है। उद्योगपति ने मामले की शिकायत पुलिस को देकर गार्ड पर चोरी करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। गुजरांवाला टाउन पार्ट-1 मॉडल टाउन दिल्ली निवासी लेखराज ने बताया कि उनकी एक फैक्ट्री बवाना दिल्ली में स्थित है। जिसे गुरुदेवा धर्मकांटा के पास कुंडली में स्थानांतरित किया जा रहा है। फैक्ट्री की सुरक्षा के लिए पंकज दास को बतौर गार्ड रखा हुआ है। कंपनी से 20 अप्रैल को गार्ड गाड़ी में रखी आठ लाख 90 हजार रुपये की राशि बवाना में लेबर सैलरी देने के लिए अपने घर से वैगनार में अपनी कुंडली स्थित फैक्टरी में लाया था। कंपनी का गार्ड पंकज गाड़ी से नकदी चोरी करके ले गया। अपने स्तर पर सामान की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी एसआई राहुल ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

शहरी विकास के मुख्य सलाहकार डीएस ढेसी ने दिए निर्देश

पेयजल और सीवरेज व्यवस्था के लिए विशेष प्लान तैयार करेगा एसएमडीए

- सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण के लिए जल्द होगा नगर निगम सोनीपत की कुछ संपत्तियों का ट्रांसफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शहरी विकास के मुख्य सलाहकार डीएस ढेसी ने कहा कि सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण (एसएमडीए) के अधिकारी शहर में पेयजल व सीवरेज व्यवस्थाओं को लेकर एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें। इसके साथ ही कुंडली नगर पालिका सहित जिन कार्यों को मंजूरी मिल चुकी हैं उनकी टेंडर प्रक्रिया पूरी कर कार्य शुरू करें। डीएस ढेसी सोमवार को लघु सचिवालय में शहर के विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

सोनीपत। अधिकारियों के साथ चर्चा करते डीएस ढेसी एवं उपायुक्त।

उन्होंने कहा कि कुंडली नगर पालिका के लिए जिस सीवरेज ट्रिटमेंट प्लांट व सीवरेज लाईन का प्रस्ताव तैयार किया गया है वह किस स्थिति में है? इस पर अधिकारियों ने बताया इस कार्य के लिए दो अलग-अलग प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। इनमें से एक सीवरेज ट्रिटमेंट प्लांट का और दूसरा सीवरेज लाईनों का है। इस पर अधिकारियों ने बताया कि एक सप्ताह के अंदर इनका टेंडर कर दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने एसटीपी बनने वाले स्थान पर नगर पालिका की जमीन को भी तुरंत हस्तांतरित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने शहर के कुछ मास्टर रोड और पेयजल व सीवरेज आपूर्ति जैसी मास्टर सर्विस को एसएमडीए को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया की जानकारी ली। इसके साथ ही ताऊ देवीलाल पार्क का विकास भी एसएमडीए द्वारा किया जाएगा। इसके हस्तांतरण का कार्य भी जल्द एचएसवीपी पूरा करेगी।

ड्रेन के पानी की समीक्षा

इसके साथ ही मीटिंग में उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने सेक्टर-4 में इंटीग्रेटिड स्पोर्टस कांप्लेस के निर्माण को लेकर भी विचार रखा। इस पर डेसी ने कहा कि यहां स्पोर्टस कांप्लेस में कुछ सुविधाएं विकसित करने के लिए एसएमडीए द्वारा निरीक्षण कर लिया गया है। इसके साथ ही उन्होंने खरखौदा के विकास को लेकर सामेकित विकास का खाका प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मीटिंग में उन्होंने यमुना में जाने वाले ड्रेन नंबर छह व आठ के पानी को लेकर भी समीक्षा की और निर्देश दिए कि बगैर शौधित जल यमुना में नहीं जाना चाहिए।

नगरपालिका ने अतिक्रमण करने वालों के चालान किए

खरखौदा। सामान जब्त करती नगर पालिका की टीम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

नगरपालिका ने खरखौदा की सड़कों पर बढ़ते अतिक्रमण पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। नपा ने हाल ही में शहर की प्रमुख सड़कों और चौराहों से अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया, जिसके प्रथम चरण में अतिक्रमण करने वालों के चेताते हुए बाज आने को कहा गया था। इसके साथ ही अब नगर पालिका ने चालान काटने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। जो लोग तीन दिन में चालान नहीं भरेंगे, उनके खिलाफ कोर्ट में कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका ने अतिक्रमण करने वालों को पहले चेतावनी दी थी, लेकिन अब सख्त कार्रवाई की जा रही है। शहर की सड़कों पर अतिक्रमण के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी, जिससे वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को मुश्किल हो रही थी। नगर पालिका सचिव पंकज जून ने कहा कि अब अतिक्रमण करने वालों को किसी भी हालत में माफ नहीं किया जाएगा और सख्त कदम उठाए जाएंगे।

नगर पालिका की टीम ने हाल ही में कई दुकानों पर कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण के लिए चालान काटे हैं। बाहर रखे गए फ्लैक्स बोर्ड और अन्य सामान भी हटाए गए हैं। नालों से आगे रेहड़ी लगाने वालों पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अतिक्रमण करने पर कार्रवाई होगी।

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि
रोहतक मंगलवार
22 अप्रैल 2025

सहेली

विशेष : पृथ्वी दिवस

आज धरती का अस्तित्व खतरे में है। प्रदूषित पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग हमारी धरती के सामने बहुत बड़े संकट बनकर खड़े हैं। इस समस्या को वही गहराई से समझ सकता है, जो संवेदनशील है। ऐसी संवेदनशीलता महिलाओं में ही दिखती है। धरती हरी-भरी रहे, संरक्षित रहे, इसके लिए महिलाएं निरंतर एक प्रतिबद्धता के साथ काम भी कर रही हैं। दुनिया भर के पर्यावरणविद भी इस बात को स्वीकारते हैं कि हमारे पर्यावरण को सरकारें नहीं, महिलाएं ही बचा सकती हैं। पृथ्वी के संरक्षण में महिलाओं की भागीदारी पर एक जरूरी विमर्श।

महिलाओं के ही हाथ सुरक्षित है धरती

आवरण कथा
संध्या सिंह

पृथ्वी केवल एक ग्रह ही नहीं है, हम पृथ्वी को धरती मां भी कहते हैं। ठीक उसी तरह जैसे स्त्री केवल एक इंसान भर नहीं है, वह मां भी है। धरती और स्त्री दोनों में बहुत-सी समानताएं हैं, दोनों ही जीवन देती हैं, दोनों ही जीवन को पालती हैं, वह भी बिना किसी स्वार्थ के उसे सहेजती भी हैं। इसलिए जब हम पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) मनाते हैं, तो दिलो-दिमाग में यह आना स्वाभाविक है कि धरती को बचाने की सबसे मजबूत आशा महिलाओं से ही की जाती है। विशेषकर उन महिलाओं की ओर हमें देखना होगा, जो मिट्टी से जुड़ी हैं, जंगल को जानती-समझती हैं, जल संरक्षण करती हैं, जिनके कंधों पर सदियों से कृषि का भार रहा है। ये सब महिलाएं हैं, जिन्हें चाहे कोई कहे या न कहे, ये पर्यावरण की स्वतः रक्षक हैं। इसलिए दुनिया को धरती बचाने की मुहिम में महिलाओं को कारगर भूमिका में लाना चाहिए, तभी धरती के बचने की उम्मीद की जा सकती है।

पृथ्वी-स्त्री दोनों हैं जननदायिनी शक्तियां: प्रकृति को भी भारतीय परंपरा में धरित्री, वसुधा और भूमाता कहा जाता है, क्योंकि स्त्री की तरह पृथ्वी या धरती भी जननी है। दोनों ही जीवन की संरचना और निरंतरता का आधार हैं। दोनों ही सृजन करती हैं,

एक धरती को हरा-भरा करती है, दूसरी कोख को। दोनों का मूल स्वभाव सहनशीलता और पुनर्निर्माण है, क्योंकि दोनों में संवेदना है। यह अकारण नहीं है कि गांव की लाखों महिलाएं, जो रोज जंगल से लकड़ियां बीन कर लाती हैं, कुएं-पोखरों से पानी भरती हैं, वे कुदरत से बिना कुछ चाहे खुशी-खुशी स्वयंसेवकों की तरह रक्षा करती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो समय-समय पर जंगलों की रक्षा के लिए सैनिकों की तरह आगे बढ़कर आई हैं। महिलाएं ही हैं, जो खेतों में जैविक खाद डालती हैं, पेड़ों को कटने से बचाती हैं, क्योंकि उन्हें पता है पेड़ नहीं होंगे तो बारिश नहीं होगी। पूरी दुनिया में अब तक जितने भी जंगल बचाने के लिए आंदोलन हुए हैं, हमेशा इन आंदोलनों में महिलाओं ने न सिर्फ बढ़-चढ़ कर हिस्सेदारी की है बल्कि पहली कतार में वही रही हैं।

क्या कहते हैं शोध: संयुक्त राष्ट्र संघ की शोध रिपोर्ट बताती है कि जिन देशों में पर्यावरणीय नीतियों में महिलाओं की भागीदारी होती है, वहां वनों की कटाई, जल प्रदूषण और जैव विविधता पर सकारात्मक असर देखने को मिलता है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र दुनिया की सभी सरकारों से कहता है कि वो महिलाओं को स्वच्छ ऊर्जा तकनीक, वनीकरण और स्थाई खेती से जोड़ें। क्योंकि महिलाएं जलवायु परिवर्तन की लड़ाई में निर्णायक रूप से भूमिका निभाती हैं। दरअसल, जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो वे न सिर्फ आर्थिक रूप से बल्कि शैक्षिक रूप से भी निर्णय लेने की क्षमता रखती हैं। देखा गया है कि महिलाएं हमेशा पर्यावरण के प्रति अनुकूल भाव रखती हैं, वे हमेशा हरित विकल्पों को तरजीह देती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो दुनिया में 90 फीसदी जल संग्रह करती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो जैविक बागवानी का बोझ अपने कंधों पर उठाए हुए हैं। स्थानीय स्तर पर शुद्ध बीजों की सुरक्षा महिलाओं की बदौलत ही हो पा रही है।

धरती और स्त्री दोनों शोषित: शायद इसलिए भी धरती के बोझ का दुख महिलाएं ज्यादा संवेदनशीलता से समझती हैं, क्योंकि धरती की तरह ही वे भी शोषित हैं। महिलाओं को समाज में अकसर निचले स्तर के कामों तक सीमित रखा जाता है। शिक्षा से वंचित और निर्णय लेने के मामले में उन्हें बाहर रखा जाता है, इसलिए दुनिया में कई तरह की अव्यवस्थाएं हैं, कई तरह की आक्रामकताएं हैं, क्योंकि नीतिगत निर्णय के मामले में महिलाओं को पुरुषों ने जान-बूझकर पीछे रखा है। वक्त आ गया है कि अब इस अन्याय को सुधारा जाए और धरती और स्त्री दोनों को ही सम्मान मिले, दोनों को ही अपनी-अपनी संवेदनशीलता के लिए आवाज मिले, क्योंकि धरती का दुख महिलाएं ही बेहतर जानती हैं। इसलिए महिलाओं के हाथ में ही धरती की सुरक्षा का भार सौंपना अक्लमंदी है।

धरती का अंधाधुंध दोहन नहीं करतीं महिलाएं: महिलाओं के हाथों में धरती को इसलिए सुरक्षित माना गया है, क्योंकि वो अंधाधुंध दोहन के दर्शन को नहीं मानतीं, वे मिलकर जीने के सिद्धांत की समर्थक होती हैं। महिलाएं कभी भी पर्यावरण को उस तरह हृदयहीनता से नुकसान नहीं पहुंचातीं, जैसे आमतौर पर धरती को पुरुष नुकसान पहुंचाते हैं। महिलाएं शांति पसंद होती हैं, वे पर्यावरण के साथ बेरहमी से पेश नहीं आतीं, इसलिए वक्त आ गया है कि धरती के सामने जो सवालिया निशान लगा है, उस निशान को हटाने के लिए यह भूमिका महिलाओं को दी जानी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षक

महिलाएं जन्मजात पर्यावरण संरक्षक होती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो भारत के गांवों में जलस्रोतों की देखभाल करती हैं, पूरे देश में जैविक खाद तैयार करती हैं, बीजों को सहेजती हैं। जंगल, चारागाह, तालाब ऐसी विरासतें हैं, जिनकी देख-रेख आज भी महिलाओं के कंधों पर ही टिकी है, क्योंकि इनके प्रति उनका बेहद संवेदनशील रवैया है। ये महिलाओं का स्वभाव ही है, जो उन्हें पर्यावरणीय फैसलों का स्वाभाविक अगुवा बना देता है। यह सिर्फ अपने देश तक ही सीमित नहीं है, संयुक्त राष्ट्र संघ भी इस बात की तस्दीक करता है कि धरती के प्रति सबसे ज्यादा संवेदनशीलता अगर कोई रखता है तो वे महिलाएं हैं। साल 1973 में जब भारत में चिपको आंदोलन हुआ था तो ये महिलाएं ही थीं, जो पेड़ों से चिपक जाती थीं। लकड़हारों से कहती थीं, 'अगर पेड़ काटना है, तो पहले हमें काटो।' महिलाओं ने पेड़ों के लिए खुद को दांव पर इसलिए लगाया, क्योंकि वे जानती हैं कि पेड़ नहीं होंगे तो हवा जहरीली हो जाएगी। शायद इसीलिए दुनियाभर के पर्यावरणविद कहते हैं, 'दुनिया के पर्यावरण को सरकारें नहीं बचा सकती, उन्हें सिर्फ महिलाएं ही बचा सकती हैं।'

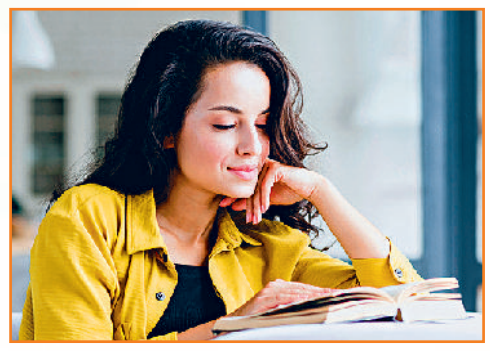

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

किताबें सिखाती हैं जीना

इस नए दौर में अधिकांश लोग हाथों में मोबाइल लिए सोशल मीडिया की दुनिया में खोए रहते हैं। किताबें पढ़ने की हमारी आदत खत्म होती जा रही है, जबकि किताबें हमारी सबसे भरोसेमंद दोस्त होती हैं, जीने की सही राह दिखाती हैं, जो जिंदगी की खुशहाली के लिए जरूरी है।

सलाह
सरस्वती रमेश

भावना बहुत अच्छी जॉब में थी, लेकिन एक एक्सीडेंट के चलते उसे अपना बायां पैर खोना पड़ा, जॉब छोड़नी पड़ गई। चलने से मजबूर भावना घर के एक कमरे में सिमट कर रह गई। पति ऑफिस चले जाते, बच्चे स्कूल। घर में बस वह अकेली बचती। उसे टीस होती कि अपने खोए पैर के कारण अब वह जीवन में कुछ नहीं कर पाएगी। धीरे-धीरे वह बहुत परेशान रहने लगी, चिड़चिड़ी हो गई। अपनी स्थिति के बारे में लगातार सोचने से वह मानसिक रूप से बीमार रहने लगी। उसका किसी काम में मन नहीं लगता था। तभी एक दिन भावना की सहेली ने उसे एक किताब गिफ्ट की। यह किसी दिव्यांग महिला की ऑटोबायोग्राफी थी कि उसने कैसे अपना जीवन संवारा और आत्मनिर्भर बनी। किताब को पढ़ते ही भावना के भीतर नई आशाएं जागीं। फिर क्या था, भावना ने किताबों से दोस्ती कर ली। हर हफ्ते एक नई किताब पढ़ती। इन्हें पढ़ने से उसे नई दृष्टि मिली। वह अपने आपको ऊर्जावान महसूस करती। साल भर बाद उसने महसूस किया कि किताबें पढ़-पढ़ कर वह इतना कुछ जान-समझ चुकी है कि उसे अपनी विकलांगता से कोई शिकायत नहीं रही। उसने अपनी लाइफ नए सिरे से प्लान की, भविष्य की सुनहरी राह बनाई। अब वह आत्मनिर्भर है, दूसरों के लिए एक मिसाल है।

हर किसी को पढ़नी चाहिए किताब: किताबें हम सबकी सच्ची दोस्त होती हैं। क्योंकि किताबें हमारा अकेलापन छांटती हैं, जीने का सलीका सिखाती हैं। जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती हैं। मुश्किलों से उबरने की तरकीब भी बताती हैं। हमारा आत्मविश्वास बढ़ाती हैं। किताबें पढ़कर हम हर तरह का ज्ञान अर्जित करते हैं, बौद्धिक रूप से समृद्ध होते हैं। किताबें महिलाओं के सशक्तीकरण की राह बनाती हैं।

पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती: कुछ लोगों को यह कहते हुए सुना जाता है कि अब हमारी पढ़ने की उम्र नहीं रही। बुढ़ापे में पढ़कर क्या होगा? ऐसे लोगों को केरल की भागीरथी अम्मा से सबक लेना चाहिए, जो अब इस दुनिया में नहीं रहीं। उनको किताबें पढ़ने का जुनून था, इसलिए उन्होंने 105 साल की उम्र में चौथी क्लास की परीक्षा दी और पास हुईं। किताबें पढ़ने की अपनी इच्छा उन्होंने पूरी की। इसी तरह महाराष्ट्र के बारामती की रहने वालीं बेबी गुरव को परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण बचपन में ही अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी। सालों बाद जब उनका बेटा दसवीं में पहुंचा तो बेबी ने भी बेटे के साथ ही दसवीं की परीक्षाएं दीं और और पास भी हुईं। अब वह जमकर अपनी मनपसंद किताबें पढ़ती हैं, ज्ञान बढ़ाती हैं। ये कहानियां हमें बताती हैं कि पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। उसके लिए सिर्फ हमें किताबों से प्रेम करना आना चाहिए।

तन्हाई की सबसे भरोसेमंद साथी: माता-पिता की जिंदगी में एक ऐसा समय आता है, जब उनके बच्चे पढ़ने या जॉब करने के लिए घर से दूर चले जाते हैं। शादी के बाद अपनी दुनिया में व्यस्त हो जाते हैं। ऐसे में अकेले रह रहे माता-पिता के लिए किताबें अच्छी दोस्त साबित होती हैं। मन को शांत, एकाग्र और स्वस्थ रखने में किताबें इनकी मदद करती हैं।

उम्र बढ़ाती हैं किताबें: किताबें हमारे दिमाग को स्वस्थ और संतुलित रखने में मददगार होती हैं। शोध बताते हैं, नियमित रूप से किताबें पढ़ने से ब्लड प्रेशर सही रहता है। चूंकि किताबें हमारा मनोरंजन करती हैं, इसलिए इनसे तनाव कम होता है। शोध तो यहां तक कहते हैं कि किताबें पढ़ने से उम्र लंबी होती है।

बदलती है समाज की सोच: किताबें पढ़कर हम उन्नत विचारों को ग्रहण करते हैं, रूढ़िगत परंपराओं से बाहर आते हैं। किताबें परिवार-समाज को विचारों से प्रगतिशील बनाती हैं। इस तरह किताबें समाज में एक अच्छा बदलाव लाती हैं। इसलिए अपना और दूसरों का भी जीवन बदलने के लिए अधिक से अधिक किताबें पढ़ें।

इंटीरियर
अनु आर.

घर की दीवारों को सजाने के लिए पेंट या वॉल पेपर का चयन करना थोड़ा मुश्किल होता है। दरअसल, दोनों के अपने-अपने प्लस और माइनस प्वाइंट्स होते हैं। इसलिए अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार आप किसी का भी चुनाव कर सकती हैं।

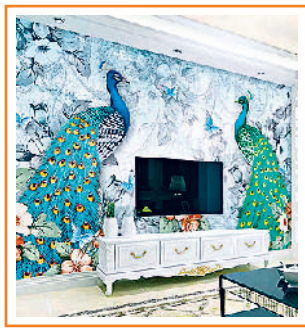

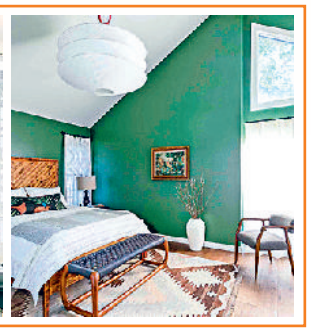

चुनें वही जो हो पसंद वॉल पेपर या पेंट

आमतौर पर जब बात घर और ऑफिस के इंटीरियर की आती है तो लोग वॉल पेंट को प्रमुखता देते हैं। इसमें कई स्टाइल, डिजाइन, पैटर्न से घर की दीवारों को सजाने के ऑप्शंस होते हैं। हालांकि पेंट और वॉल पेपर दोनों ही घर के इंटीरियर में अलग-अलग तरह के बदलाव लाते हैं। लेकिन दोनों के ही अपने-अपने फायदे और नुकसान होते हैं। आप इनमें से किसका चयन करना चाहती हैं, यह आपकी पसंद और जरूरत पर निर्भर करता है। इन दोनों में से कौन-सा ज्यादा अच्छा होता है, इसके बारे में अलग-अलग राय हो सकती है।

वॉल पेपर की क्वालिटीज: वॉल पेपर लोगों द्वारा इसलिए कम पसंद किए जाते हैं, क्योंकि इसे एक बार लगाने के बाद इसे हटाने का प्रोसेस थोड़ा मुश्किल होता है और इसके लिए प्रोफेशनल की मदद लेनी पड़ती है। उसकी तुलना में पेंट करवाना लोगों को ज्यादा सरल लगता है। वॉल पेपर किसी भी कमरे के एस्थेटिक्स में एक नया बदलाव ले आते हैं। जबकि पेंट में उतनी वैरायटी उपलब्ध नहीं होती। हालांकि वॉल पेपर्स हर घर के लिए उपयुक्त साबित नहीं होते। जिन घरों में बच्चे छोटे होते हैं और जहां पेट्स होते हैं, वहां वॉल पेपर जल्द खराब होने का डर रहता है। इसके अलावा जिन घरों की दीवारों में सीलन ज्यादा होती है, सीलन के कारण वॉल पेपर की शेप खराब हो जाती है और ये फूल जाती हैं। हालांकि वॉल पेपर की खूबी है कि इन पर अगर दाग या धब्बे लग जाते हैं तो उन्हें आसानी से रिमूव किया जा सकता है। अगर वॉल पेपर डैमेज हो जाते हैं तो इन्हें दोबारा फिक्स करवाया जा सकता है। हालांकि एक बार अगर वॉल पेपर घर की दीवारों पर लगा दिया जाता है और उसकी केयर की जाए तो यह कम से कम दस साल तक सही रहता है। वॉल पेपर में दीवारों के स्क्रेच या खुरदरेपन को छुपाया जा सकता है, जबकि पेंट में यह संभव नहीं होता। घर अगर बड़ा है और बड़ी दीवारों के लिए वॉल पेपर का इस्तेमाल किया जाता है तो इनमें आने वाले ज्वाइंट्स को अच्छी तरह से बनाना चाहिए। इनमें आने वाले क्रेक्स को भी ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है।

वॉल पेंट की खासियत: वॉल पेपर और पेंट की तुलना करने पर हम पाते हैं कि पेंटिंग में काफी समय लगता है, कई मजदूरों की जरूरत पड़ती है। बाद में घर की साफ-सफाई भी अच्छे से करनी पड़ती है। वॉल पेंट सीलन भरी दीवारों पर जल्दी खराब तो होता ही है, बच्चे या पेट्स इन पर दाग-धब्बे लगा देते हैं और थोड़े समय बाद दीवारों पर पेंट पुराने लगने लगते हैं। अगर उस जगह तेज धूप आती हो तो पेंट और भी जल्दी खराब हो सकता है। हालांकि इसके बावजूद वॉल पेंटिंग को अधिकांश लोगों द्वारा पसंद किया जाता है और इसे अधिक टिकाऊ माना जाता है।

वॉल पेपर का बजट: वॉल पेपर को लगाने के लिए किसी प्रोफेशनल की जरूरत होती है, जबकि पेंट करने का काम आप फैमिली मेंबर्स के साथ मिलकर स्वयं भी कर सकती हैं। पेंट जगह-जगह से उखड़ जाता है तो इसकी आप खुद रिपेयरिंग भी कर सकती हैं। जबकि वॉल पेपर पर खर्च ज्यादा आ सकता है।

उपलब्ध हैं कई वैरायटीज: वॉल पेंट हो या वॉल पेपर, दोनों में ही कई तरह के प्रयोग किए जा सकते हैं। वॉल पेपर में तो बहुत सारे डिजाइन और वैरायटीज आपको मिल जाएंगी, जो घर के इंटीरियर में पूरी तरह बदलाव ला देती हैं। वॉल पेपर के डिजाइन घर को ज्यादा स्पेशियस दिखाते हैं। उनको कस्टमाइज्ड कराया जा सकता है और इन्हें ऑर्डर पर भी लाया जा सकता है।

केयर
सरिता गुप्ता

इस मौसम में ऐसे करें स्किन केयर

गर्मी के मौसम में स्किन का बहुत ध्यान रखना पड़ता है, नहीं तो तेज धूप की वजह से स्किन पर रैशेज, टैन, सनबर्न और एक्ने जैसी बहुत-सी प्रॉब्लम हो सकती हैं। ऐसा आपके साथ न हो, इसके लिए हम आपको ऐसे स्टेप्स बता रहे हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपनी स्किन को ग्लोइंग बनाए रख सकती हैं।

फेस वॉश करें: आप जब भी बाहर से घर लौटकर आएं तो सबसे पहले फेस वॉश जरूर करें। इससे आपके चेहरे पर जमा पसीना, धूल, प्रदूषण आदि सब साफ हो जाएगा। ऐसा करने से आप फ्रेश भी फील करेंगी। इसके साथ ही हफ्ते में एक बार स्क्रब भी कर सकती हैं।

सनस्क्रीन: वैसे तो सनस्क्रीन का यूज हर मौसम में करना चाहिए, लेकिन गर्मियों में तो घर से बाहर जाते समय एसपीएफ 30 वाली सनस्क्रीन का यूज जरूर करना चाहिए। यदि ज्यादा देर तक धूप में रहना हो, तो एसपीएफ 50 का यूज करें क्योंकि सूरज से निकलने वाली खतरनाक अल्ट्रावायलेट किरणें, हमारी त्वचा को काफी नुकसान पहुंचाती हैं। सनस्क्रीन हमारी त्वचा को धूप के सीधे संपर्क में आने से भी बचाती है।

एक्सफोलिएट: स्किन को हफ्ते में एक बार एक्सफोलिएट जरूर करना चाहिए। इससे फेस बिल्कुल साफ नजर आता है। इसके लिए ऐसे स्क्रब का चयन करें, जो फेस की सूजन को कम करें और डीप क्लीन करे। यह स्किन के टेक्सचर को सुधारने के साथ-साथ झुर्रियों को भी दूर रखता है।

नाइट केयर: रात को सोते समय हमारी स्किन रिपेयरिंग का काम करती है। इसलिए रात को जब नाइट क्रीम का यूज करते हैं तो इससे स्किन रिंकल फ्री और ग्लो करने लगती है। इसके लिए आप ऐलोवेरा जैल का भी यूज कर सकती हैं। इसमें एंटी ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं।

केमिकल प्रोडक्ट्स: जहां तक संभव हो स्किन केयर के लिए हमेशा बिना केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का यूज करना चाहिए। केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से स्किन पर एक्ने और रिंकल जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनकी जगह नेचुरल प्रोडक्ट्स यूज करें।

होम रेमेडीज: स्किन को हाइड्रेट करने और फ्रेशनेस बनाए रखने के लिए आप होममेड फेसपैक जैसे मुल्तानी मिट्टी, चंदन पावडर और गुलाब जल से बने फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इनसे स्किन को कूलिंग इफेक्ट और फ्रेशनेस बनाए रखने में मदद मिलती है।

मॉयश्चराइजर: गर्मियों में अकसर लोग स्किन को मॉयश्चराइज करना अवॉयड करते हैं, जबकि यह स्किन केयर का जरूरी स्टेप होता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार गर्मी में लाइट या वॉटर बेस्ड मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे स्किन ऑयली और डल न लगे।

(ब्यूटी एक्सपर्ट सीमा शर्मा से बातचीत पर आधारित)

डाइट सजेशन
मुक्ता भावसार

गर्मी के मौसम में खुद को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी होता है। इससे आप एनर्जेटिक फील करेंगी। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसी डाइट के बारे में, जो आपको रखेंगे हाइड्रेटेड।

गर्मी के मौसम में ऐसे रखें खुद को एनर्जेटिक-हाइड्रेटेड

गर्मी का मौसम अपने साथ लू, थकान और शरीर में पानी की कमी जैसी कई समस्याएं लेकर आता है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, वैसे-वैसे शरीर से पसीने के रूप में पानी और जरूरी मिनरल्स बाहर निकल जाते हैं। ऐसे में अगर शरीर को समय-समय पर हाइड्रेट न किया जाए, तो चक्कर आना, थकावट और डिहाइड्रेशन जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। गर्मियों में सही खान-पान और पर्याप्त पानी पीना न सिर्फ शरीर को ठंडक देता है, बल्कि ऊर्जावान भी बनाए रखता है। गर्मियों में थोड़ी-सी सावधानी और कुछ घरेलू उपाय अपनाकर आप न सिर्फ खुद को हाइड्रेटेड रख सकती हैं, बल्कि लू और थकान जैसी समस्याओं से भी बच सकती हैं।

पर्याप्त पानी पिएं: गर्मी में रोजाना कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना जरूरी है। अगर पसीना ज्यादा आता है, तो मात्रा और बढ़ा दें। ठंडा पानी नहीं, बल्कि सामान्य तापमान या हल्का ठंडा पानी पीना ज्यादा फायदेमंद होता है। अगर सादा पानी पीने का मन न हो, तो उसमें नीबू, पुदीना, खीरा या तुलसी डालकर फ्लेवर्ड वाटर बनाएं। घर से निकलते समय एक गिलास पानी जरूर पीएं और पानी की बोतल साथ रखें।

हाइड्रेटिंग फ्रूट्स: तरबूज, खीरा, संतरा, अंगूर जैसे फलों में पानी भरपूर होता है। लौकी, तोरई जैसी सब्जियां और नारियल पानी शरीर को ठंडक और इलेक्ट्रोलाइट्स प्रदान करते हैं। गर्मी के मौसम में इनका भरपूर सेवन करें। इसके साथ ही, नीबू पानी, लस्सी, बेल शरबत, आम का पना, जलजीरा और सौंफ-गुलकंद का पानी शरीर को ठंडा और पाचन को दुरुस्त रखते हैं। लस्सी, छाछ,

पुदीना-तुलसी ड्रिंक, सत्तू का शरबत, पान-गुलाब शरबत जैसे पेय शरीर को ठंडा रखने के साथ-साथ एनर्जी भी देते हैं। गर्मी के मौसम में कोल्ड ड्रिंक्स और कैफीन का सेवन करने से बचें।

मसालेदार खाने से करें परहेज: अपने भोजन में सलाद, दही, ताजे फल, दालें और हरी सब्जियां जरूर शामिल करें। तले-भुने और मसालेदार खाने से परहेज करें। जंक और स्ट्रीट फूड का सेवन ना करें, क्योंकि यह पेट में गर्मी और एसिडिटी बढ़ा सकता है। बेहतर पाचन और शरीर में पानी की संतुलित मात्रा बनाए रखने के लिए हल्का, सुपाच्य और पौष्टिक भोजन ही लें।

(आहार विशेषज्ञ पूनम विशाल ज्वेल से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

भारत वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर

सोनीपत। भाजपा के प्रदेश महासचिव (संगठन) फणींद्र नाथ शर्मा ने कहा कि तकनीकी शिक्षा व नवाचार के दम पर भारत 2047 तक वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है । इसमें नई शिक्षा नीति, डिजिटल इंडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) व सांस्कृतिक समावेश की महत्वपूर्ण भूमिका होगी । नई शिक्षा नीति के अंतर्गत समानता, न्याय, बंधुत्व, समान शिक्षा व सबको शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण उपकरण है जिससे आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में छात्रों व युवा वर्ग की सबसे निर्णायक भूमिका होगी। फणींद्र नाथ शर्मा सोनीपत के कामी रोड पर स्थित पूर्ण मूर्ति कैंपस का दौरा करने के दौरान अपने विचार रख रहे थे।

बुध पूर्णिमा के अवसर पर जागरण 11 मई को होगा

गन्नौर। बुध पूर्णिमा के अवसर पर 12 वां विशाल जागरण व भंडारे का आयोजन 11 मई को हरिद्वार में स्वामी शालीग्राम घाट पर किया जाएगा। समाजसेवी भगवतदयाल कौशिक ने बताया कि 11 मई को जागरण के बाद 12 मई को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जागरण में रणबीर कौशिक बड़वासनी, प्रवीन कौशिक, तुषार कौशिक एंड पार्टी भजनों से माता के भजनों का गुणगाण करेंगे। ज्योत प्रज्वलित सोनीपत के सांसद सतपाल ब्रहमचारी, पार्षद हरिद्वार महाबीर शर्मा, पंकित कौशिक करेंगे। इसके अलावा बड़ी गांव के सरपंच अरूण त्यागी, सुनीता शर्मा दिल्ली, राजबीर जेई, सीए अंकित कौशिक, पार्षद अंकित त्यागी, जयपाल मलिक, राजेन्द्र कौशिक, एडवोकेट विद्यासागर, बार एसोसिएशन प्रधान गौरव त्यागी, प्रमोद त्यागी आदि गणमान्य लोग शिरकत करेंगे। प्रवीन कौशिक, तुषार कौशिक एंड पार्टी भजनों से माता के भजनों का गुणगाण करेंगे।

सब जूनियर फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

बुटाना एफसी ने एसएम हिंदू अकादमी की टीम को 1-0 से हराकर अव्वल स्थान पाया

मुख्यातिथि ने विजेता और उप विजेता टीमों को ट्रॉफी और नकद राशि देकर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते अतिथिगण।

एसएम हिंदू स्कूल फुटबाल अकादमी में रविवार देर शाम सब जूनियर फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन हुआ। स्पोर्टिंग नेशनल एफसी द्वारा आयोजित इस फुटबॉल प्रतियोगिता में जींद, करनाल, गोहाना, उचाना, दूल्हेड़ा की टीमों समेत कुल 16 टीमों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता लीग कम नॉकआउट आधार पर खेली गई। अपने अपने पुल में टॉप पर रहते हुए एमएम हिंदू फुटबाल एकेडमी, करनाल, अपोलो इंटरनेशनल एफसी, बुटाना एफसी ने सेमीफाइनल में स्थान बनाया। पहले सेमीफाइनल में एसएम हिंदू अकादमी की टीम ने करनाल के टीम को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में बुटाना एफसी ने अपोलो इंटरनेशनल एफसी की टीम को 1-0 से हराकर फाइनल प्रवेश किया।

वहीं संघर्षपूर्ण रहे फाइनल में बुटाना एफसी ने एसएम हिंदू एकेडमी की टीम को 1-0 से हराकर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए ट्रॉफी व 7100 रुपए की राशि भी जीती। फाइनल मैच ने बुटाना की तरफ से सचिन ने एक मात्र गोल किया। पुरस्कार वितरण में मुख्य अतिथि के रूप में संदीप बजानिया और वजीर सिंह ने विजेता और उप विजेता टीमों को ट्रॉफी और नकद राशि देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर क्लब के प्रधान और सचिव पंकज गुलिया, ऋषिवान आंतिल, जिला फुटबॉल संघ के सह सचिव सुरेंद्र सिंह, मोहन कोच, प्रभात, राहुल, नीतीश, मनोज आदि उपस्थित रहे।

खरखौदा। वुशु स्पर्धा का शुभारंभ करते द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया।

वुशु चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

खरखौदा। प्रताप स्कूल, खरखौदा में जिला सोनीपत वुशु चैंपियनशिप का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित ओम प्रकाश दहिया ने किया। उद्घाटन समारोह में ओम प्रकाश दहिया ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन, मेहनत और समर्पण ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करते हुए वुशु खेल महत्व पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों ने भाग लिया और शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में सब जूनियर वर्ग में हन्नी, दक्ष, दक्ष, राही, आर्यन, जतिन, अमन, रोनक व निधि जूनियर वर्ग में अजय, जतिन, प्रवीन, ध्रुव, वंश, आशीष, वैभव, हर्ष सिंह, धीरज, दीपांशु, ज्योति व गरिमा सीनियर वर्ग में अमन, यश, चिराग, मुकुल, निखिल, रोहित ने पहला स्थान पाया।

सोनीपत। सीटू के जिला कार्यकारिणी की बैठक के दौरान उपस्थित पदाधिकारी।

एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाएगा: आनंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

■ सीटू जिला सचिव मंडल की बैठक सोमवार को प्रधान अनीता की अध्यक्षता में संपन्न

सीटू जिला सचिव मंडल की बैठक सोमवार को प्रधान अनीता की अध्यक्षता में संपन्न हुई एवं संचालन सचिव राजेश टांकी ने किया। मीटिंग में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए सीटू के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने बताया कि 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाएगा। जिसके तहत शहर में प्रदर्शन करेंगे और शिकागो के अमर शहीदों को याद किया जाएगा। वहीं राष्ट्रीय ट्रेड यूनियनों एवं कर्मचारी फैडरेशन के आह्वान पर 20 मई को होने वाली राष्ट्रीय व्यापी हड़ताल में सीटू से संबंधित सभी यूनियनें काम छोड़ हड़ताल करेंगे। जिसकी तैयारी के लिए सभी ब्लॉकों में सीटू की जनरल बॉडी मीटिंग रखी गई है, जिनको सीटू जिला के नेता संबोधित करेंगे और 20 मई की हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान करेंगे। मीटिंग में यह भी निर्णय लिया गया कि शहर में हटाए गए ठेका सफाई कर्मचारियों को बहाल करवाने एवं बकाया वेतन की मांग को लेकर चल रहे धरने प्रदर्शनों को तेज किया जाएगा, वहीं 26 अप्रैल को आशा वर्कर यूनियन जिला सोनीपत का जिला स्तरीय सम्मेलन होगा। जिसको सीटू की राज्य अध्यक्ष सुरेखा संबोधित करेंगी। 23 मई से 26 मई तक राष्ट्रीय सीटू जरनल काउंसल मीटिंग फरीदाबाद में होगी जिसकी तैयारी के लिए भी चंदा अभियान चलाया जा रहा है। मीटिंग में अनीता, सुनीता, सोना देवी, पूनम, राजेश टांकी, नवीन कुमार,अजय टांक एवं आनंद शर्मा उपस्थित रहे।

शिविर में 80 मरीजों के नेत्रों की जांच की

■ गोसाईं धर्मशाला सिक्का कॉलोनी में शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। नेत्र जांच शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो: हरिभूमि

महात्मा आशानन्द वधवा-हिन्दू मंच सोनीपत और जिला अन्धता निवारण समिति सोनीपत की ओर से गोसाईं धर्मशाला सिक्का कॉलोनी में सोमवार को नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप की अध्यक्षता हरिचंद स्नेही ने करते हुए बताया कि संस्था द्वारा यह 256वां कैंप लगाया गया। सर्वप्रथम ऋषिपाल भदाना और सुनीता अरोड़ा के ब्रह्मत्व में यज्ञ किया गया। इस दौरान शीतल जल, चाय और देसी घी के हलवे का प्रसाद वितरित किया गया। नेत्र विशेषज्ञ डॉ. लतिका खत्री दलाल द्वारा विजय हाई स्कूल के छात्रों सहित 80 नेत्र रोगियों की जांच की गई। कैम्प में मोतियाबिन्द के 20 मरीजों को 25 अप्रैल शुक्रवार को जिला नागरिक अस्पताल सोनीपत में ऑपरेशन की प्रक्रिया के लिए बुलाया गया है। नेत्र विशेषज्ञ ने आंखों को स्वस्थ रखने के लिए सलाह दी और बाकी समस्त रोगियों को निःशुल्क दवाइयां प्रदान की गई। नेत्र विशेषज्ञ के साथ उनकी टीम में तकनीकी सहायक सुनील कुमारी द्वारा 35 रक्तचाप और तकनीकी सहायक सचिन द्वारा 30 रोगियों की शूगर की जांच की गई। इस अवसर पर नेत्र ज्योति कैम्प में हंसराज वधवा, हरि चन्द स्नेही, हरभगवान रहेजा, राम किशन बत्रा, श्यामलाल मुखी, मदन लाल कत्याल, रविन्द्र कुकरेजा, सुरेश बत्रा, देसराज अरोड़ा, ऋषि पाल भदाना, सुरेश बत्रा, राजरानी मौजूद रहे।

राज्यपाल और शिक्षा मंत्री किया सम्मानित

छोटूराम आर्य महाविद्यालय के दो एनएसएस स्वयंसेवक सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। सम्मानित होकर लौटे स्वयंसेवकों का स्वागत करते प्राचार्य साथ में अन्य।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर छोटूराम आर्य महाविद्यालय के दो एनएसएस स्वयंसेवकों, आकांक्षा और गौरव को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय एवं शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के करकमलों द्वारा नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। स्वयंसेवकों ने एमडीयू का मान बढ़ाते दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड कैम्प में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया था। समारोह में कॉलेज के कार्यक्रम अधिकारियों, डॉ. उषा दहिया और डॉ. अभिमन्यु मलिक भी मंच पर उपस्थित थे। समारोह के बाद, जब आकांक्षा और गौरव कॉलेज लौटे, तो उन्हें कॉलेज प्राचार्य डॉ. नरेंद्र ने बधाई दी।

पार्क में धन्ना भगत की जयंती मनाई

धन्ना भगत अरावली की पहाड़ियों में तप करते थे : आजाद सिंह दांगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सोनीपत। धन्ना भगत के चित्र पर पुष्प अर्पित करके नमन करते नागरिक।

शहर में सेक्टर सात स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती पार्क में धन्ना भगत की जयंती मनाई गई। समारोह में नागरिकों ने धन्ना भगत के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा कि धन्ना भगत भारत के भक्ति आंदोलन के महान संत थे। वे एक रहस्यवादी कवि और एक वैष्णव भक्त थे, जिनके तीन भजन आदि ग्रंथ साहिब में मौजूद हैं।

68वां वार्षिकोत्सव और दिव्य आध्यात्मिक सत्संग का शुभारंभ

■ परमात्मा ने बनाई है सृष्टि और कर रहे संचालन : आचार्य उषरबुध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। आर्य समाज मॉडल टाउन में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थीगण।

आर्य समाज मॉडल टाऊन सोनीपत के त्रिदिवसीय वार्षिकोत्सव और दिव्य आध्यात्मिक सत्संग का सोमवार को शुभारंभ किया गया। संस्था प्रधान अर्जुन देव दुरेजा की अध्यक्षता तथा वेदनिष्ठ आचार्य उषरबुध के ब्रह्मत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा ने यज्ञोपरान्त बताया कि परम पिता परमात्मा ने यह सृष्टि बनाई है और उसका संचालन भी कर रहा है। उसको विश्वकर्मा भी कहा जाता है। उसने ही सूर्य, चांद, सितारे, पृथ्वी, फल, फूल, वनस्पतियां, मेवे भी बनाए। परमेश्वर ने ऋषियों के माध्यम से ज्ञान प्रदान किया। वह जन्मदाता, पालक, संहारक और कर्मानुसार फल प्रदाता भी है। हम परमेश्वर से प्रार्थना करे कि प्रभु हमें भी विश्वकर्मा बनाओं ताकि हम सृष्टि का कल्याण करते रहें।

समारोह में भजनोपदेशक बरेली से आमन्त्रित भानु प्रकाश शास्त्री ने अपने गीतों के माध्यम से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम में आचार्य सतन देव सत्यम द्वारा चतुर्वेद शतकम के मन्त्रों का स्वर पाठ किया तथा मंच का कुशल संचालन वैदिक प्रवक्ता हरिचन्द स्नेही द्वारा किया गया। समारोह में ज्ञानेश्वर त्यागी, विद्यालय प्रधानाचार्या गीता सहगल स्टाफ तथा विद्यार्थी, मंजू आर्या, सुमन भगत, महेश जुनेजा, पीके मल्होत्रा, सुनील सचदेवा, विनोद सहगल, सुरेश छाबड़ा, ईश्वर सिंह दहिया, कौशल्या अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

छात्रों ने पृथ्वी बचाने का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

जीडी गोयंका इंटरनेशनल स्कूल में कार्यक्रम के दौरान छात्र।

खेवड़ा स्थित जीडी गोयंका इंटरनेशनल स्कूल में पृथ्वी दिवस मनाया गया। विद्यालय के अंतर्गत कक्षा पहली से 12वीं कक्षा तक पेंटिंग व पोस्टर मेकिंग आदि गतिविधियों के द्वारा विद्यार्थियों ने पृथ्वी को बचाने का संदेश दिया। जीडी गोयंका इंटरनेशनल स्कूल में पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रम के दौरान छात्र।छात्रों ने पृथ्वी को मां के समान बताया जिस प्रकार माता हमारा पालन- पोषण करती है, उसी प्रकार पृथ्वी सभी का भरण- पोषण करती है। यदि हमने समय पर जागरूकता का संदेश नहीं फैलाया, तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी अपना भयानक रूप दिखाएगी। हमें यह धरोहर संजोकर रखनी चाहिए। विद्यालय अध्यक्ष योगेश जिंदल और प्रधानाचार्या नीरा मुद्गल ने छात्रों को संदेश दिया। प्रधानाचार्या नीरा मुद्गल ने छात्रों को प्लास्टिक का प्रयोग न करने का परामर्श दिया। उन्होंने कहा यदि हमारे युवा पीढ़ी जागरूकता का परिचय देती है तो हम पृथ्वी को सुरक्षित व संरक्षित रख सकते हैं। छात्रों के योगदान की सराहना करते हुए प्रधानाचार्या ने सभी छात्रों की क्रियात्मक गतिविधि को सराहा।

शब्द श्रृंखला बनाओ प्रतियोगिता में ए टीम ने पाया अव्वल स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

दिल्ली मार्ग पर स्थित जेबीएच सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सोमवार को शब्द श्रृंखला बना प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को एक और बी दो टीमों में बांटा गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों को जो शब्द लिखा उसके आखिरी शब्द से नया शब्द बनाना था। दोनों टीमों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस प्रतियोगिता में टीम ए विजेता रही। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर अध्यापक कविता पांचाल, प्रीती दहिया, कविता गर्ग, पलक शुक्ला, आशीष छिकारा, ज्योति शर्मा, अलीशा दहिया, मंजू दहिया और आकाश आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता से ही जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। पृथ्वी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्कूल के छात्र।

रौनक पब्लिक स्कूल, गन्नौर में पृथ्वी दिवस का आयोजन किया गया। छात्रों ने प्रतिज्ञा, विचार,विषय संबंधी अंग्रेजी-हिन्दी वार्ता,मुख्य समाचार और पृथ्वी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की। इसके अलावा, छात्रों ने पृथ्वी के महत्व और संरक्षण पर प्रश्नोततरी, नृत्य और अन्य कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने छात्रों को संबोधित किया और उन्होंने पृथ्वी के संरक्षण के महत्व बारे बताया। उन्होंने छात्रों को पृथ्वी को बचाने और उसकी सुरक्षा के लिए अपने दैनिक जीवन में कुछ छोटे-छोटे कदम उठाने के लिए प्रेरित किया।

जीवीएम गर्ल्स कालेज में मनाया विश्व क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन-डे

पीपीटी में अनुष्का और अलंकृता बनी विजेता

डिजिटल फ्लायर मेकिंग कंपीटिशन में खुशी बतरा ने प्रथम स्थान हासिल किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कार्यशाला के उपरांत प्रतिभागी छात्राओं, अतिथियों एवं वक्ताओं के साथ प्राचार्या व कॉलेज स्टाफ। फोटो :हरिभूमि

जीवीएम गर्ल्स कालेज में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सैल (आईआईसी) के तत्वावधान में विश्व क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन-डे हर्षोल्लास से मनाया गया। इसके तहत आयोजित नेशनल लेवल पीपीटी मेकिंग कंपीटिशन में जीवीएम की अनुष्का व अलंकृता अव्वल रही। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने दिवस के साथ विजेताओं को बधाई दी। नेशनल लेवल इनोवेशन फोरम-2025 एवं वर्ल्ड क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन-डे का शुभारंभ कालेज की प्राचार्या ने आमंत्रित वक्ताओं राकेश छाबड़ा व सविता लांबा के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए किया। इस दौरान पीपीटी मेकिंग कंपीटिशन के साथ सक्सेसफुल सोशल आंत्रेप्रीन्योरशिप, वेस्ट मैनेजमेंट एंड रिसाईक्लिंग और इनोवेटिव सोल्यूशन फोर रूरल डेवल्पमेंट पर व्याख्यान आयोजित किए गए। इस दौरान डिजिटल फ्लायर मेकिंग कंपीटिशन में खुशी बतरा ने प्रथम स्थान हासिल किया।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में राई इंडस्ट्रिज एसोसिएशन के प्रेजीडेंट एवं एफआईएसएमई के वाइस-प्रेजीडेंट राकेश छाबड़ा ने सफल उद्यमी बनने की टिप्स दिए। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को स्व-रोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंत में प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने आमंत्रित वक्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डा. प्रवीण शर्मा, रूचिका विरमानी, डा. संगीता सिंह, मीनू गोसाईं आदि मौजूद रहे।

अहमदपुर में सात लाख से लगेगा नया ट्यूबवेल

सोनीपत। गांव अहमदपुर में सोमवार को विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने नगर निगम द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों का नारियल तोड़कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्थानीय लोगों द्वारा विधायक और मेयर का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया और विकास कार्यों के लिए आभार जताया। विधायक निखिल मदान ने बताया कि अहमदपुर गांव में काफी समय से पेयजल की किल्लत चल रही थी। क्षेत्रवासियों को समुचित मात्रा में पेयजल न मिलने के कारण काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा था। समस्या के समाधान हेतु आज नया ट्यूबवेल लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है जिसे आगामी दो सप्ताह में पूरा कर लिया जाएगा। पूरे सोनीपत में कहीं भी पानी की कमी नहीं होने दी जाएगी। वहीं नगर निगम मेयर राजीव जैन ने कहा कि इस कार्य में निगम द्वारा 7 लाख रुपये की लागत से अहमदपुर गांव में पीने के पानी का ट्यूबवेल लगाया जाएगा।इस ट्यूबवेल के लगने से गांव वासियों की पेयजल आपूर्ति की समस्या का स्थाई तौर पर समाधान होगा।

रचनात्मक सोच के माध्यम से एक बेहतर दुनिया बनाएं

सोनीपत। हिंदू कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के इनोवेशन सेल और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली के साथ मिलकर विश्व क्रियेटिव और नवाचार दिवस मनाया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और नवोन्मेषकों के बीच नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। कॉलेज के प्राचार्य डा. नवीन कुमार मलिक ने अपने सम्बोधन में कहा कि सच्चा नवाचार समस्याओं का समाधान करता है और भविष्य को सुरक्षित बनाता है। आइए हम सस्टेनेबल डेवलेपमेंट के लिए प्रयास करें और रचनात्मक सोच के माध्यम से एक बेहतर दुनिया बनाएं। कार्यक्रम में पोस्टर बनाओ, नारा बनाओ, बैस्ट आउट ऑफ वेस्ट आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

खबर संक्षेप

सोनीपत। कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लेते प्रतिभागी।

विश्व क्रिएटिविटी करवाई मैनेजमेंट गेम्स

सोनीपत। हिंदू इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में मैनेजमेंट गेम्स का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्व क्रिएटिविटी एवं इनोवेशन दिवस के अवसर पर इनोवेट थीम पर आयोजित किया गया। छात्रों ने विभिन्न मैनेजमेंट एक्टिविटीज में भाग लिया जहां उन्होंने टीमवर्क, रणनीति निर्माण, समस्या समाधान और रचनात्मक का परिचय दिया। कॉलेज निदेशक डॉ. शिवानी ठाकुर ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल शैक्षिक वातावरण, बल्कि छात्रों में आत्मविश्वास और सृजनात्मक सोच भी विकसित होती है।

कार की टक्कर से युवक की मौके पर मौत

गन्नौर। गन्नौर- शाहपुर रोड पर एक ढाबे पर खाना खाकर निकले रहमाणा गांव के युवक की तेज रफ्तार कार की टक्कर से मौत हो गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्जकर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस को दी शिकायत में गांव रहमाणा के दीपक ने बताया कि 20 अप्रैल की शाम को करीब 9 बजे अपने ताऊ का लड़के नवीन के साथ किसी काम से गन्नौर आ रहे थे रास्ते में खुबडू- भावर मोड़ के पास एक ढाबे पर खाना खाने के लिए रुके थे, जब खाना खाकर बाहर सड़क पर आए तो गन्नौर की तरफ से सफेद रंग की और हुंडई कार चालक तेज गति व लापरवाही से चलाते हुए आया और सीधी टक्कर मेरे भाई नवीन को मारी। नवीन के हाथ पैर और सिर में काफी चोटें लगी।

डीएलएसए द्वारा जागरूकता शिविर आज से

सोनीपत। मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव प्रचेता सिंह ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण(डीएलएसए) द्वारा 22 अप्रैल को कार्य स्थल पर महिला यौन उत्पीड़न, पृथ्वी दिवस, साइबर फ्रोड के प्रति जागरूक करने व 24 अप्रैल को पचांयत दिवस के अवसर पर आमजन को जागरूक करने के लिए कैंपों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि डीएलएसए जिला शिक्षा विभाग के साथ मिलकर धरती माता को बचाने के उपायों पर 22 अप्रैल को कैंप करेगा।

यूनियन ने बैठक करके फैसला वापस लिया

रोडवेज कर्मियों की भूख हड़ताल स्थगित, अब पांच मई को विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

रोडवेज विभाग में तैनात चालक, परिचालकों को सीमित ओवर टाइम देने के आदेश पत्र को वापिस लेने सहित विभिन्न मांगों को लेकर रोडवेज कर्मचारी यूनियन हरियाणा सांझा मोर्चा के आह्वान पर सोमवार को सोनीपत बस डिपो में कर्मचारियों द्वारा 24 घंटे की भूख हड़ताल करने का निर्णय लिया था। कर्मचारियों ने बैठक कर हड़ताल के निर्णय को वापस ले लिया है। कर्मचारियों ने निर्णय लिया है कि अब भूख हड़ताल आगामी 5 मई को आयोजित की जाएगी। साथ ही सरकार के खिलाफ जमकर रोष प्रकट किया जाएगा। सांझा मोर्चा के वरिष्ठ सदस्य मंजीत पहल ने बताया कि गत 23 जून 2023 व 16 जुलाई 2024 को कर्मचारियों की कई मांगों पर सरकार के साथ सहमति बनी थी। परन्तु मांगों को लागू करने का पत्र अब तक सरकार की तरफ से जारी नहीं किया गया है। जिसके विरोध में सोमवार को सोनीपत बस डिपो और गोहाना बस डिपो में कर्मचारियों द्वारा 24 घंटे की भूख हड़ताल कर सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराने का फैसला किया गया था। लेकिन कुछ कारणों की वजह से अब भूख हड़ताल 5 मई तक स्थगित की गई है। उन्होंने बताया कि कर्मचारी सरकार से मांग कर रहे हैं कि चालक, परिचालक को रात्रि ठहराव करने व भुगतान करने के वर्तमान में जारी आदेश को वापिस लेते हुए पूर्व की भांति रात्रि ठहराव देने व भुगतान किया जाए। इसके अतिरिक्त चालक, परिचालक, निरीक्षक, उपनिरीक्षक के देय अर्जित अवकाश कटौती के जारी आदेशों को वापस लिया जाए। इसी अतिरिक्त वर्ष 2002 में भर्ती हुए चालकों को नियुक्ति तिथि से पक्का करके पुरानी पेंशन योजना में शामिल किया जाए। वर्ष 2016 में सभी प्रक्रिया पूर्ण उपरांत भर्ती किए गए चालकों को पक्का किया जाए। जिसकी वजह से कर्मचारियों को प्रदर्शन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

शिशुवाटिका में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

वेशभूषा प्रतियोगिता में सजे गीता विद्या मंदिर के छात्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले महिला शिक्षकों के साथ।

अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित स्थानीय गीता विद्या मंदिर विद्यालय की शिशुवाटिका में वेशभूषा प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य बच्चों को अनुशासित कर वेशभूषा के प्रति जागरूक करना था। प्रतियोगिता में विभिन्न प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों में अनिकेत, अवनी, गौरवी, भव्या, ध्रुव, मानवी, वरुण, रूपाली, हिमांशी, तनिष्का, निवेद, पारुल, शिवांश, विक्की, भावेश, इनायत, सृष्टि,जैविक मलिक, राशि, यशस्वी और भव्य प्रथम स्थान पर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य अश्विनी कुमार ने की। प्रतियोगिता का सफल संयोजन एवं मार्गदर्शन शिशु वाटिका प्रमुख सुनीता वर्मा ने किया

राष्ट्रीय हैकाथॉन 'कोड एक्सेलरेट' कल से

हरिभूमि न्यूज. सोनीपत

गेटवे इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, 23 से 25 अप्रैल 2025 तक एक भव्य राष्ट्रीय स्तर के हैकाथॉन 'कोड एक्सेलरेट – 72 आवर्स कोड वॉर' का आयोजन करने जा रहा है। कल के नवाचार थीम पर आधारित इस हैकाथॉन का उद्देश्य प्रतिभागियों को पारंपरिक सीमाओं से आगे सोचने के लिए प्रेरित करना है। देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिष्ठित संस्थानों की 100 से अधिक टीमें इस आयोजन के लिए पंजीकरण करा चुकी हैं। इस 72 घंटे की कोडिंग चुनौती में प्रतिभागी टीमों के रूप में काम करेंगे, रियल-वर्ल्ड समस्याओं का तकनीकी समाधान विकसित करेंगे, और मेंटर्स से मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे।

भगत फूल सिंह महिला विवि में व्याख्यान

अनुवाद क्षेत्र में रोजगार की काफी संभावनाएं हैं : टंडन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहना। प्रो. पूरन चंद का स्वागत करते प्रो. मूर्ति मलिक। फोटो : हरिभूमि

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सोमवार को एक विस्तारक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. मूर्ति मलिक ने की।

मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. पूरन चंद टंडन ने कहा कि अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार के अनेक अवसर हैं। अनुवाद भाषाओं के मध्य सेतु का काम करता है। इसके माध्यम से विचारों, विचारधाराओं और संस्कृतियों का आदान-प्रदान होता है। अनुवाद साहित्य, विज्ञान, व्यापार और राजनीति के क्षेत्र में मुख्य भूमिका निभाता है। इसके माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुसंधान को विश्व स्तर पर लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अनुवाद से शैक्षिक सामग्री को विभिन्न भाषा में उपलब्ध कराकर शिक्षा के स्तर को बढ़ावा मिलता है। इससे लोग दुनिया को वैश्विक दृष्टिकोण से देखने में सक्षम होते हैं जिससे विश्व बंधुत्व की भावना का विकास होता है।

समस्याओं का समाधान मेरी जिम्मेदारी : देवेन्द्र कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

- जनता दरबार में सुनी हलके के लोगों की समस्या, समाधान का आश्वासन
- जनता की समस्या का समाधान करना उनकी जिम्मेदारी विधायक

गन्नौर। विधायक देवेन्द्र कादियान जनता दरबार में हलके के लोगों की समस्या सुनते हुए।

हलका विधायक देवेंद्र कादियान ने सोमवार को अपने निजी कार्यालय में जनता दरबार लगाया। सुबह से ही लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। किसी ने पेंशन में देरी की शिकायत की। किसी ने बिजली-पानी की परेशानी बताई। कई लोग गली-सड़कों की खराब हालत से परेशान थे। विधायक देवेन्द्र कादियान ने कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया और अधिकारियों को फोन कर निर्देश दिए। विधायक ने कहा, जनता की समस्या का समाधान करना उनकी जिम्मेदारी है। उमेदगढ़ ग्राम पंचायत ने पीडब्ल्यूडी रोड से पावर हाउस तक नाला निर्माण की मांग रखी। पुरखास राठी गांव के लोगों ने सरढ़ाना माइनर नंबर 13 में चिन्हित जगह पर खाल की हालत बेहद खराब बताई। इसे पक्का और 9 इंच चौड़ा करने की मांग की गई। बली कुतुबपुर से चमराड़ा रोड को दोबारा निर्माण की मांग की गई।

अब तक 3 लाख 11 हजार 22 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले की विभिन्न मंडियों में गेहूं की आवक व खरीद तेज हो गई है। रविवार देर सांय तक जिला की विभिन्न 24 मंडियों व खरीद केंद्रों में तीन लाख 11 हजार 22 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है। इस गेहूं को विभिन्न एजेंसियों द्वारा खरीद लिया गया है। जिला की विभिन्न मंडियों में पहुंचे तीन लाख 11 हजार 22 मीट्रिक गेहूं में से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा एक लाख दो हजार 990 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा एक लाख 26 हजार 619 मीट्रिक टन, हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 65 हजार 460 मीट्रिक टन और फूड कार्पोरेशन आफ इंडिया (एफसीआई) द्वारा नौ हजार 882 मीट्रिक टन गेहूं एवं आमजन के द्वारा (कमर्शियल गेहूं) 6071 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। जिला की मंडियों में पहुंचे गेहूं में बरोदा खरीद केन्द्र पर 2680 मीट्रिक टन, भैंसवाल खरीद केंद्र पर 3750 मीट्रिक टन, बिचपड़ी खरीद केन्द्र पर 1055 मीट्रिक टन, दातौली खरीद केन्द्र पर 4497 मीट्रिक टन, फरमाणा खरीद केन्द्र पर 7594 मीट्रिक टन, गन्नौर अनाज मण्डी में 28673 मीट्रिक टन, गोहाना मण्डी में 106886 मीट्रिक टन, हुल्लाहेड़ी खरीद केन्द्र पर 1053 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा।

चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास एक सतत प्रक्रिया : वेदप्रकाश श्योराण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खरखौदा। व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान देते वेदप्रकाश श्योराण।

कन्या महाविद्यालय खरखौदा में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास पर एक विस्तृत व्याख्यान का आयोजन करियर काउंसलिंग एव प्लेसमेंट सेल के तत्वाधान में किया गया। इस व्याख्यान के लिए वेदप्रकाश श्योरण सेवानिवृत प्राचार्य पंडित नेकी राम महाविद्यालय रोहतक ने शिरकत की। उन्होंने चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास पर अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास एक सतत प्रक्रिया है जो हमें जीवन में सफलता प्राप्त करने और समाज में एक अच्छी स्थिति प्राप्त करने में मदद करती है। यह प्रक्रिया हमें नैतिक मूल्यों, आदर्शों और गुणों को विकसित करने में मदद करती है जो हमारे जीवन को सकारात्मक दिशा में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चरित्र निर्माण हमें नैतिक मूल्यों जैसे कि सच्चाई, ईमानदारी, और न्याय के महत्व को समझने में मदद करता है। चरित्र निर्माण आत्मविश्वास में वृद्धि करता है जो हमें जीवन की चुनौतियों का सामना करने में मदद करता है और हमें सकारात्मक सोच की दिशा में ले जाता है जो सफलता प्राप्त करने में मदद करती है। प्राचार्या डॉक्टर प्रमिला ने चारित्रिक गुणों को आत्मसात के लिए प्रेरित किया।

गोहाना। पत्रकारों को जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक।

डॉ. अंबेडकर जयंती पर सम्मान समारोह 23 अप्रैल को

गोहाना। भाजपा के गोहाना जिला के अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने कहा कि भाजपा 15 से 25 अप्रैल तक प्रदेश में संविधान निर्माता डा. भीमराव आंबेडकर के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह आयोजित कर रही है। 23 अप्रैल को गोहाना के सेक्टर सात स्थित गुरु रविदास छात्रावास भवन में डॉ. आंबेडकर सम्मान संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। समारोह के मुख्यातिथि भाजपा के राष्ट्रीय युवा मोर्चा उपाध्यक्ष अभिनव प्रसाद होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, विधायक पवन खरखौदा और प्रदीप सांगवान शिरकत करेंगे। सह वक्ता पूर्व जिला अध्यक्ष जसबीर दोदवा रहेंगे। संगोष्ठी में डा. आंबेडकर के जीवन व कामों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। इस मौके पर अध्यक्ष के साथ महेंद्र चिड़ाना, राजू पटवा, विजय पंचाल व डा. राममेहर राठी मौजूद रहे।

दुकान का शटर तोड़कर 20 हजार सामान चोरी

सोनीपत। बहालगढ़ थाना क्षेत्र के गांव जाट जोशी स्थित दुकान का शटर तोड़कर 20 हजार रुपये व सामान के चोरी कर लिया गया। गांव जाट जोशी निवासी मोहित ने बताया कि उसने गांव में परचून की दुकान कर रखी है। रविवार को वह दुकान पर गया तो शटर टूटा मिला। अंदर जाकर सामान की जांच की। जांच में 20 हजार रुपये व बीड़ी-सिगरेट गायब मिली। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

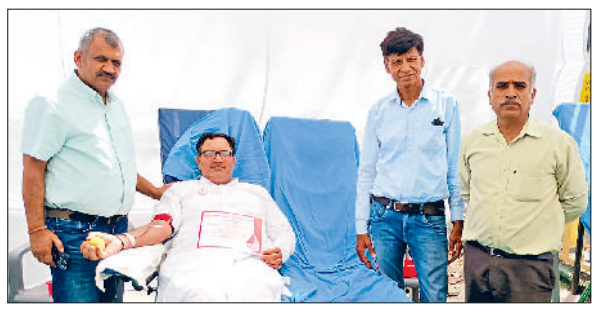

रक्तदान करना हमारा सामाजिक दायित्व : वीरेंद्र आर्य

गोहाना। बार एसोसिएशन गोहाना के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा नेता वीरेंद्र आर्य ने कहा कि रक्तदान महादान है। यह सेवा हम सब का सामाजिक दायित्व है। हम रक्तदान करके किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचा सकते हैं। वे सोमवार को भागराम ट्रस्ट द्वारा शहर के परशुराम चौक में आयोजित साप्ताहिक रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को बतौर मुख्य अतिथि प्रोत्साहित कर रहे थे। शिविर में 25 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। अध्यक्षता ट्रस्ट की अध्यक्ष उषा गंगनेजा ने की और संयोजन क्षेत्र के प्रमुख रक्तदाता सुरेंद्र विश्वास का रहा। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी नरेश कटारिया रहे। मुख्य अतिथि वीरेंद्र आर्य ने कहा कि युवा प्रत्येक तीन माह बाद रक्तदान करें। कोई भी 18 से 60 वर्ष तक स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। इस सेवा के पीछे रक्तदाता का कोई स्वार्थ भी नहीं होता है। शिविर में संजय सुखीजा, पुलिसकर्मी नरेश शर्मा, बिजेंद्र सिवाच, विकास बजाज, प्रवीन, जतिन, पवन व विकास सहित अन्य रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

बिजली कर्मचारियों का धरना 5वें दिन भी जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

- अनिल कौशिक व कप्तान नरवाल ने कहा कि भाजपा के नेता अरुण निनानिया ने जेई सुनील के प्रति की गई बयानबाजी अशोभनीय है।

ज्वाइंट एक्शन कमेटी के बैनर तले सोमवार को बिजली कर्मचारियों का धरना पांचवें दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता कर्मचारी नेता वजीर सिंह ने की व संचालन अमित कुमार ने किया।

विभागीय कर्मचारियों का आरोप है कि बिजली चोरी पकडऩे के मामले में एक भाजपा नेता पर जेई सुनील का तबादला गलत तरीके करवाया गया गया है। इसी के रोषस्वरूप कर्मचारी लगातार धरने पर बैठे हैं। अनिल देशवाल, प्रदीप नरवाल, सुरेश यादव, अनिल कौशिक व कप्तान नरवाल ने कहा कि भाजपा के नेता अरुण निनानिया ने जेई सुनील के प्रति की गई बयानबाजी अशोभनीय है। राजेश वर्मा, अशोक कुमार, अमित, ललित, वीरेंद्र चोपड़ा और सतीश कुमार ने कहा कि जेई सुनील के तबादले पर रोक लगाई जाए और भाजपा नेता अरुण निनानिया के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए। जब तक तबादले पर रोक नहीं लगेगी तब तक बिजली कर्मचारियों का धरना जारी रहेगा। धरने पर जगदीश, पवन, प्रदीप, जगदीप, संदीप आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

कार्यक्रम | बंगाल की कानून व्यवस्था का संचालन केंद्रीय सुरक्षा बलों के हाथों में देने की मांग

विहिप ने एसडीएम को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

विश्व हिंदू परिषद गन्नौर द्वारा बंगाल में हिंदुओं पर हो अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन के बाद एसडीएम को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ममता बेनर्जी सरकार के विरोध में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान परिषद के पदाधिकारी व युवा गन्नौर रेलवे स्टेशन से तहसील तक प्रदर्शन करते हुए पहुंचे। ज्ञापन में बंगाल में अविलंब राष्ट्रपति शासन लगाया जाए, बंगाल की हिंसा की जांच करवाकर दोषियों को दंड दिया जाए। बंगाल की कानून व्यवस्था का संचालन केंद्रीय सुरक्षा बलों के हाथों में दिया जाए। बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उनको निष्कासित किया जाए। बंगाल व बांग्लादेश की 450 किलोमीटर की सीमा पर तार लगाने का काम अविलंब प्रारंभ किया जाए जिसे ममता बनर्जी ने रोका हुआ था। विहिप प्रखंड मंत्री सुरेंद मुखराना प्रखंड अध्यक्ष ओम प्रकाश सैनी बजरंग दल संयोजक धर्मबीर शर्मा के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में कहा कि वक्फ कानून के विरोध की आड़ में संपूर्ण बंगाल को जिस प्रकार हिंसा की आग में जलाया जा रहा है, हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। हिंदू विरोधी तत्वों को खुली छूट दी जा रही है।

PARAS CA INSTITUTE OF COMMERCE PVT. LTD.
Paras CA Foundation
RESULT 80% to 90%
PIONEER INSTITUTE FOR CA COACHING SINCE 1995
Admission OPEN FOR CA Foundation Sept. 25
350 DRISHTI
344 MANAN
339 DARSHIL
Batches Start 22nd April 25
Book your seat now
Near City Mall, Sonipat
Call : 9149112716
7015755714